क ज म घ ट़

है अपना िदल तो आवारा] न जाने िकस पे आयेगा़

हसीनोa ने बुलाया] गले से भी लगाया़

बहुत समझाया] यही न समझा़

बहुत भोला है बेचारा] न जाने िकस पे आयेगा़

है अपना िदल तो आवारा ---़

अजब है दीवाना] न घर ना िठकाना़

जमीa से बेगाना] फलक से जुदा़

ये एक टूटा हुआ तारा] न जाने िकस पे आयेगा़

है अपना िदल तो आवारा ---़

जमाना देखा सारा] है सब का सहारा़

ये िदल ही हमारा] हुआ न िकसी का़

सफर मेa है ये बaजारा] न जाने िकस पे आयेगा़

है अपना िदल तो आवारा ---़

हुआ जो कभी राजी] तो िमला नहीa काजी़

जहा ँ पे लगी बाजी] वहीa पे हारा़

जमाने भर का नाकारा] न जाने िकस पे आयेगा़

है अपना िदल तो आवारा ---़

है अपना िदल तो आवारा़

न जाने िकस पे आएगा ---़

¼#केगा न #का है न जाने धुन ही Dया है़

कभी ये रLता है कभी वो रLता½ & 2़

िफरे है दर बदर मारा़

न जाने िकस पे आएगा ---़

¼िकसीसे ये िमला Fाा बताए कोई Dया Fाा़

बेदारी का समा Fाा के Fाा वो सपना½ & 2़

खुद अपने ददZ से हारा़

न जाने िकस पे आएगा ---़